जैसे हरिणी जल के लिए हाँपफती है

मेरा प्राण तेरे लिए प्‍यासा है

तू ही है मेरे दिल की चाहत

और मैं तेरी आराध्‍ना करूँ

तू ही है मेरा बल और ढ़ाल

मेरी आत्‍मा तेरी ओर झुके

तू ही है मेरे दिल की चाहत

और मैं तेरी आराध्‍ना करूँ

1. तू है राजा लेकिन तू मेरा मित्रा

और मेरा भाई है

सब लोगों और सब बातों से

बढ़कर मैं तुझसे प्‍यार करता हूँ।

2. सोने और चाँदी से ज्‍यादा मैं तुझसे चाहूँ

तू ही मुझे तृप्‍त करता है

सच्‍चे आनंद का दाता केवल तू ही

और मेरी आँखों की पुतली।